



## लविगि प्लैनेट रपिर्ट 2022

### प्रलिमिंस के लयि:

लविगि प्लैनेट रपिर्ट 2022, डबल्यूडबल्यूएफ, लविगि प्लैनेट इंडेक्स (LPI), मैग्रोव, सुंदरबन, प्रवासन, जलवायु परविरतन, जैवविविधता ।

### मेन्स के लयि:

जैवविविधता की हानि, संबंघति खतरे ।

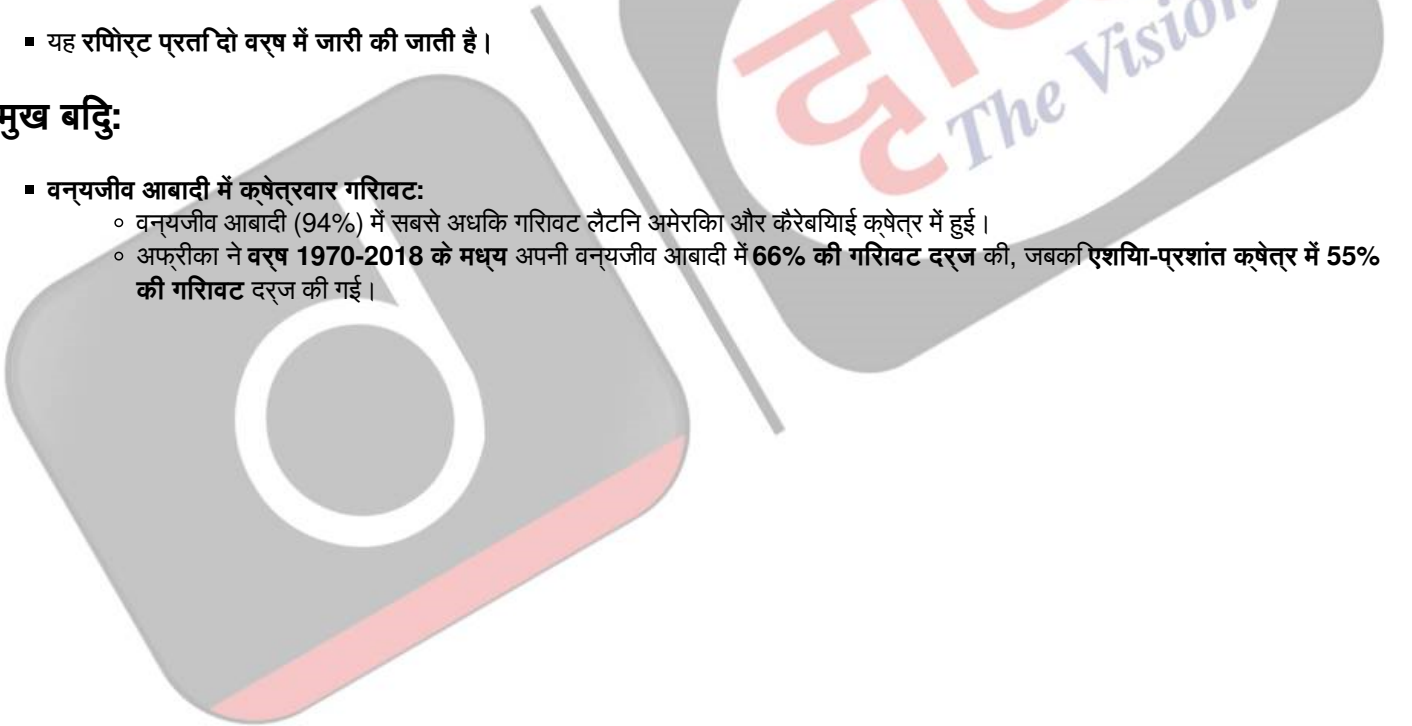
## चरचा में क्यौं?

[वरलड वाइड फंड फॉर नेचर \(WWF\)](#) द्वारा जारी 'लविगि प्लैनेट रपिर्ट 2022' के अनुसार, पछिले 50 वर्षों में दुनिया भर में स्तनधारियों, पक्षियों, उभयचरों, सरीसृपों और मछलियों की आबादी में 69% की गरिावट आई है ।

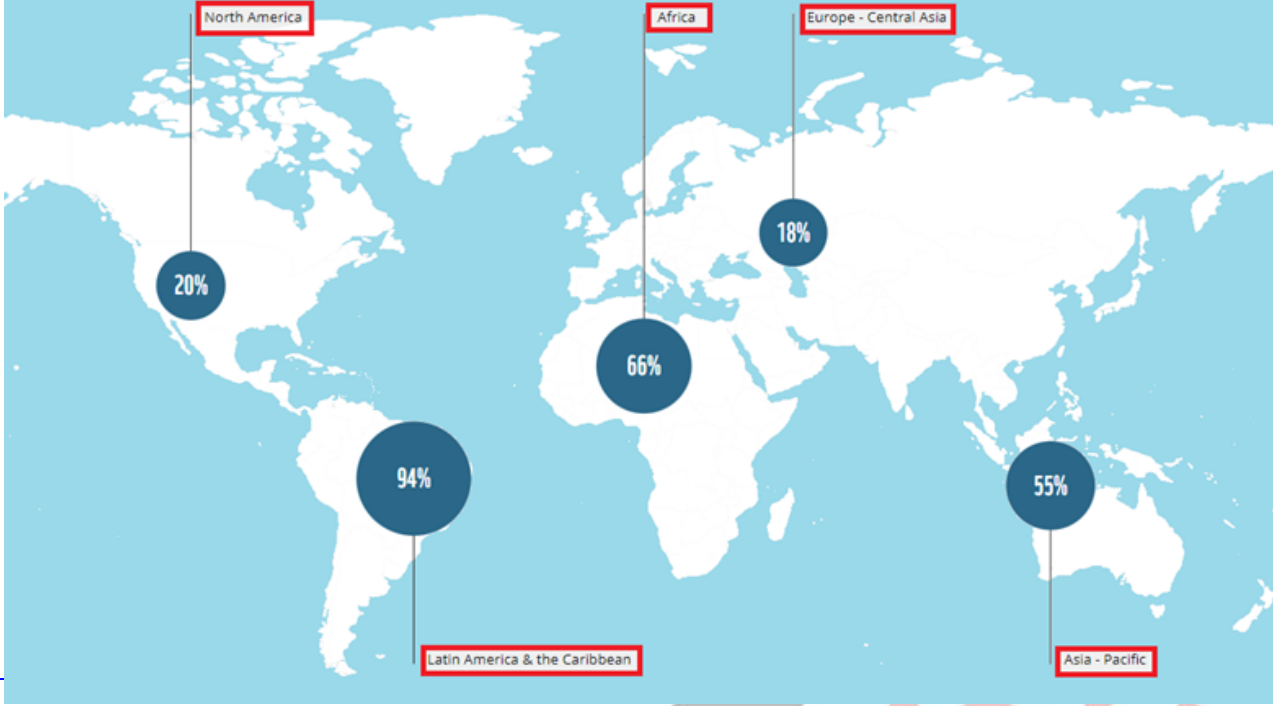
- यह रपिर्ट प्रतदिो वर्ष में जारी की जाती है ।

## प्रमुख बदिु:

- वन्यजीव आबादी में कषेत्रवार गरिावट:
  - वन्यजीव आबादी (94%) में सबसे अधकि गरिावट लैटनि अमेरिका और कैरेबियाई कषेत्र में हुई ।
  - अफ्रीका ने वर्ष 1970-2018 के मध्य अपनी वन्यजीव आबादी में 66% की गरिावट दर्ज की, जबकि एशिया-प्रशांत कषेत्र में 55% की गरिावट दर्ज की गई ।



## BIODIVERSITY LOSS BY REGION



### ■ मीठे जल की प्रजातियों की आबादी में गिरावट:

- विश्व स्तर पर मीठे जल की प्रजातियों की आबादी में 83 प्रतिशत की कमी आई है।

- पर्यावास की हानि और प्रवास के मार्ग में आने वाली बाधाएँ नगिरानी की जा रही प्रवासी मछली प्रजातियों के खतरों के लिये ज़िम्मेदार थीं।

### ■ कशेरुकीय वन्यजीव आबादी का पतन:

- लिविंग प्लैनेट इंडेक्स (LPI) के अनुसार, विश्व के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कशेरुकीय वन्यजीव आबादी विशेष रूप से चौंका देने वाली दर से गिर रही है।

- LPI, वैश्विक स्तर पर 5,230 प्रजातियों की लगभग 32,000 आबादी की विशेषता के लिये स्थलीय, मीठे जल और समुद्री आवासों से कशेरुकीय प्रजातियों की जनसंख्या परिवर्तनों के आधार पर दुनिया की जैविक विविधता की स्थिति के आकलन का उपाय है।

### ■ मैंग्रोव क्षरण:

- **जलीय कृषि**, कृषि और तटीय विकास के कारण प्रतिवर्ष 0.13% की दर से **मैंग्रोव** का नुकसान जारी है।

- तूफान और तटीय कटाव जैसे प्राकृतिक खतरों के साथ-साथ अतदीहन तथा प्रदूषण से कई मैंग्रोव प्रभावित होते हैं।

- 1985 के बाद से भारत और बांग्लादेश में **सुंदरबन** मैंग्रोव वन के लगभग 137 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का क्षरण हुआ है, जिससे वहाँ रहने वाले 10 मिलियन लोगों में से कई के भूमि और पारस्थितिकी तंत्र सेवाओं में कमी आई है।।

### ■ जैवविविधता के लिये प्रमुख खतरे:

- WWF ने स्थलीय कशेरुकियों के लिये 'खतरे के हॉटस्पॉट' को चिह्नित करने हेतु जैवविविधता के छह प्रमुख खतरों की पहचान की है:

- **कृषि**
- **शिकार**
- **लॉगिंग**
- **प्रदूषण**
- **आक्रामक प्रजाति**
- **जलवायु परिवर्तन**

## प्रकृति हेतु विश्व वन्यजीव कोष (WWF):

- यह दुनिया का अग्रणी संरक्षण संगठन है और 100 से अधिक देशों में काम करता है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1961 में हुई थी और इसका मुख्यालय ग्लैड, स्विट्ज़रलैंड में है।
- इसका मशन प्रकृति का संरक्षण करना और पृथ्वी पर जीवन की विविधता के लिये सबसे अधिक दबाव वाले खतरों को कम करना है।
- WWF दुनिया भर के लोगों के साथ हर स्तर पर सहयोग करता है ताकि सिमुदायों, वन्यजीवों और उनके रहने वाले स्थानों की रक्षा करने वाले अभिनव समाधान विकसित एवं वितरित किये जा सकें।

## रिपोर्ट की सफ़ारिशें:

- ग्रह मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन और **जैवविधिता** के नुकसान की दोहरी आपात स्थिति का सामना कर रहा है, जिससे वर्तमान एवं भविष्य की पीढ़ियों को खतरा है। जैवविधिता से क्षति तथा जलवायु संकट से दो अलग-अलग मुद्दों को **बजाय एक के रूप में नपटा जाना चाहिये क्योंकि वे आपस में जुड़े हुए हैं।**
- एक हरित भविष्य के लिये हमारे उत्पादन, उपभोग, शासन और वित्त प्रबंधन में **क्रांतिकारी एवं महत्वपूर्ण परिवर्तनों की आवश्यकता** होती है।
- हमें अधिक **सतत मार्ग की दशा में एक समावेशी सामूहिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिये।** जो यह सुनिश्चित करते हों कि हमारे कार्यों के परिणाम और उससे उत्पन्न लाभ सामाजिक रूप से न्यायसंगत एवं समान रूप से साझा किये गए हैं।

## स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/living-planet-report-2022>

